VALMIKI VYAGRAH AARAKSH FOUNDATION

Registration No- 133 dt. 03rd May,2011

कार्यालयः वन संरक्षक–सह–क्षेत्र निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष,

फौरेस्ट कॉलनी, पिउनी बाग, प0 चम्पारण, बेतिया–845438,

Phone: 06254 – 245331; Mob:- 8986153336 email address- fdvalmikitr@gmail.com/ vtrbihar@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्त्तन मंत्रालय भारत सरकार एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार पटना के समय–समय पर निर्गत निर्देश के अनुसरण करते हुए मानसून अवधि में।

1. बाघ एवं अन्य जंगली जानवरों के प्रजनन अवधि,
2. वन पथों की स्थिति तथा मरम्मती एवं
3. पर्यटकों की सुरक्षा इत्यादि को ध्यान में रखते हुए मानसून अवधि में **दिनांक–01.07.2025 से 30.09.2025 तक वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष में पर्यटन केन्द्रों (वाल्मीकिनगर, मंगुराहॉ एवं गोबर्धना) जंगल सफारी/वाल्मीकिनगर में साईकिल सफारी टूरिज्म गतिविधियों तथा गंडक नदी में जलस्तर की वृद्धि की संभावना होने के कारण गंडक सफारी (मोटर बोट)** बन्द किया जाता है। तथा स्थानीय स्तर पर बेतिया से एवं पटना से संचालित एक दिवसीय, दो दिवसीय एवं तीन दिवसीय टूर पैकेज भी बंद रहेगा।

वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष क्षेत्र में वाल्मीकिनगर, मंगुराहॉ एवं गोबर्धना में निर्धारित टूरिज्म जोन के माध्यम से किया जा रहा है, जंगल सफारी में बाघ, गौर, तेन्दूआ, गैण्डा, भालू, सांभर, चित्तल, वाइल्ड डॉग, वार्किंग डियर, इत्यादि, विभिन्न प्रकार पक्षी एवं घने जंगल, ग्रासलैण्ड, वॉटर हॉल में जानवर की झुंड, वनपथ के माध्यम से गुजरने वाले छोटे–बड़े नदियॉ पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा है। ईको–पार्क, कौलेश्वर झुला, गोल घर, लालभितिया सनसेंट प्वाइन्ट, नेचर ट्रेल एवं बोट सफारी भी पर्यटकों को आकर्षित किया है। बिगत वर्षो से पर्यटकों के ठहराव तथा जंगल क्षेत्र में भ्रमण/सफारी की बढ़ती सुविधा का असर सीधे उनकी संख्या पर देखने को मिल रहा है **वर्षवार विवरणी निम्नवत् हैः–**

वर्ष	सशुल्क पर्यटक	निःशुल्क पर्यटक	विदेशी पर्यटक	कुल पर्यटक
2021–22	52,765	39,499	–	92,264
2022–23	1,71,451	1,94,562	9	3,66,024
2023–24	1,67,513	1,54,550	8	3,22,071
2024–25	1,49,962	3,30,680	38	4,80,680
2025–26 माह अप्रैल से 29 जून, 2025 तक	23,063	34,891	-	57,954

जंगल सफारी एवं मोटर बोट में बढ़ते संसाधनों के कारण जंगल सफारी एवं बोट सफारी करने वाले पर्यटकों की संख्या में भी इजाफा हुआ है जिसकी विवरणी वर्षवार हैः–

वर्ष	जंगल सफारी में भ्रमण किये पर्यटकों की संख्या	वर्ष	गंडक सफारी में भ्रमण किये पर्यटकों की संख्या
2021–22	**11,538**	2021–22	**4,885**
2022–23	**17,198**	2022–23	**5,287**
2023–24	**23,550**	2023–24	**2,982**
2024–25	**27,992**	2024–25	**3,472**
2025–26 माह 29 जून, 2025 तक	**12,221**	2025–26 माह 29 जून, 2025 तक	**1,958**

(डॉ0 नेशामणि के0)

वन संरक्षक–सह–क्षेत्र निदेशक,

वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष बिहार।